आईएएस, आईपीएस कर सकेंगे आईआईएम से पीएचडी

आईआईएम रायपुर में 'पीएचडी इन प्रैक्टिस ट्रैक' इसी साल दिसम्बर से होगा शुरू

नवभारत एक्सक्लूसिव

मनोज मिश्रा । रायपुर।

आईआईएम रायपुर आईएएस, आईआरएस, आईपीएस समेत भारतीय सेवाओं तथा कॉर्पोरेट सेक्टर के उच्च अधिकारियों को शोध का अवसर देने जा रहा है। इस साल दिसम्बर से आईआईएम रायपुर 'पीएचडी इन प्रैक्टिस ट्रैक' नाम से नया कोर्स शुरू करने जा रहा है। इसमें 10 से अधिक वर्ष का अनुभव रखने वाले आईएएस, आईआरएस, आईपीएस, कंपनियों के सीईओ प्रवेश लेकर डॉक्ट्रेट की उपाधि प्राप्त कर सकेंगे।

आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. रामकुमार काकानी का कहना है कि यह अपने तरह का अलग और नया कोर्स है। आईआईएम रायपुर नियमित स्टूडेंट के साथ ही प्रोफेशनल्स के लिए अलग-अलग तरह के कोर्स संचालित कर रहा है। औद्योगिक क्षेत्र, मेडिकल क्षेत्र के प्रोफेशनल्स के लिए कोर्स चल रहे हैं। अब उच्च शासकीय सेवाओं, राष्ट्रीय स्तर की कंपनियों में सेवारत अधिकारियों के लिए कोर्स लांच करने जा रहे हैं। लंबे समय तक कार्य के बाद ऐसे अधिकारियों का अपना अनुभव होता है। इस पर शोध करना चाहे तो आईआईएम अवसर उपलब्ध कराने जा रहा है।

बोर्ड ऑफ गवर्निंग से मिल गई स्वीकृति

'पीएचडी इन प्रैक्टिस ट्रैक' कोर्स शुरू करने को लेकर आईआईएम के बोर्ड ऑफ गवर्निंग की मीटिंग में स्वीकृति मिल चुकी है। साढ़े चार साल का यह कोर्स होगा। दिसम्बर 2023 में कोर्स प्रारंभ हो जाएगा। यह कोर्स ऑफलाइन मोड में होगा।

10 साल का अनुभव है जरूरी

इस कोर्स के लिए कम से कम 10 वर्ष का अनुभव रखा गया है। 20 से 22 सीटें शुरुआत में रहेंगी। भारतीय सेवाओं, कॉर्पोरेट क्षेत्र में 10 वर्ष से अधिक का अनुभव रखने वाले उच्च अधिकारी आवेदन कर सकेंगे।

आईएएस, उच्च अधिकारियों के लिए शोध का अवसर : प्रो. काकानी

आईआईएम रायपुर के डायरेक्टर प्रो. रामकुमार काकानी का कहना है कि आईएएस, आईपीएस, आईआरएस या बड़ी कंपनियों के जीएम के लिए आईआईएम रायपुर पीएचडी इन प्रैक्टिस ट्रैक कोर्स दिसम्बर से शुरू करना जा रहा है। यह कोर्स उनके लिए है जिनका वर्क एक्सपीरियंस 10 से 15 वर्ष का हो चुका है। अपने क्षेत्र का लंबा अनुभव रखने वाले अधिकारी यदि शोध में रुचि रखते हैं, तो यह उनके लिए अच्छा अवसर है।

***चयन के लिए उच्च स्तर का पैनल** – आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. काकानी का कहना है कि 'पीएचडी इन प्रैक्टिस ट्रैक' कोर्स में प्रवेश की चयन प्रक्रिया भी स्तरीय होगी। उच्च स्तर का पैनल गठित किया जाएगा, जिसके द्वारा अनुभव और मापदंडों को ध्यान में रखते हुए प्रवेश दिया जाएगा।*

Navbharat, 17th June 2023, P. 01 (My City)